

## कार्यालय भूमि सुधार उप समाहर्ता, बगोदर-सरिया (गिरिडीह)

हेमलाल पासवान

बनाम्

राजेश पासवान वगैरह


विविध वाद संख्या.....15...../2021-22

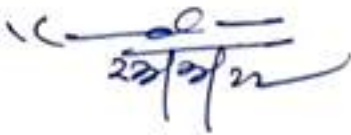
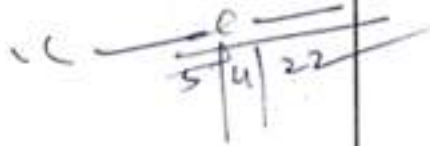
आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर

आवेदक हेमलाल पासवान, पिता- स्व० डिल्लो पासवान, साकिन- बागोडीह मोड, टोला कोबडिया, थाना- सरिया, जिला- गिरिडीह द्वारा आवेदन समर्पित कर निम्नलिखित भूमि को द्वितीय पक्ष के सदस्यों द्वारा बाजबरन हड़पने की लगातार कोशिश कर रहे हैं जिसके कारण आवेदक द्वारा उक्त भूमि पर विविध वाद प्रारम्भ करने का अनुरोध किया गया है। आवेदन अभिलेख में संघारित है।

मौजा	थाना नं०	ख़ाता नं०	प्लॉट नं०	रकबा
बडकी सरिया	44	200/497	19	1.60 एकड़

अतः उभय पक्षों को नोटिस नोटिस निर्गत करें। अभिलेख दिनांक 23.3.2022 को रखें।

  
भूमि सुधार उपसमाहर्ता  
बगोदर-सरिया।

की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
<u>23.3.22</u>	<p>अभिलेख उपस्थापित। उमम पदा उपा TO 6/4/22</p> <p></p>	
<u>5/4/22</u>	<p>अभिलेख उपस्थापित। उमम पदा के बिज आवेदन द्वारा आवेदन दिया गया है कि इतीय पदा प्रक्रिया की भूमि का स्वरूप परिवर्तित किया जा रहा है, अतः इस कृत्य से उन्हें रोका जाये। आवेदन को प्रति धाना प्रभारी, स्वर्िया को अंच हेतु/आवश्यक कार्यवाही हेतु भेजे।</p> <p>अभिलेख निर्धारित तिथि को रखे।</p> <p></p>	<u>50</u> <u>5/4/22</u>
<u>6.4.22</u>	<p>उमम पदा वकालत हाजिर। अभिलेख दिनांक 20.4.22 को रखे।</p>	
<u>20.4.22</u>	<p>उमम पदा उपस्थित। उमम पदा द्वारा आवेदन राखित किया गया है कि प्रशासन भूमि पर अंचल अधिकारी द्वारा मापी कराया जा रहा है। बाद के विचारों अवधि तक इसे रोका जाये। आवेदन की प्रति अंचल अधिकारी को भेजे।</p>	<u>पत्रांक 55</u> <u>20.4.22</u>



श्रीकी क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
10/08/22	<p>आदेश हेतु अभिलेख उपस्थापित। पुश्नागत नगर अंचल अधिकारी, सरिया के द्वारा साफं क्र - 115, दिनांक - 23/02/22 को निर्गत नोटिस को रद्द करने हेतु जाया जाया है। आवेदक के अनुसार, माँजा- भंड की सरिया, घाना-सरिया में स्थित खाना सं० - 200/497, प्लॉट सं० - 19, रकबा - 1.60 एकड़ भूमि उनके पूर्व में डिगोय कुलाध को बनरिये हुजूमनामा हासिल है। हुजूमनामा पूर्व जमींदार माधो राय से वर्ष 1939 को हासिल है। उक्त हुजूमनामा के हासिल होने के पश्चात् आवेदक पुश्नागत भूमि पर मजानार रखवा कर रहे हैं तथा सरकार को मजाना अदा करते जा रहे हैं। वर्षमान में नकरारी भूमि पर आवेदक का मकान, जाहरदिगारी, कुआँ आदि हैं। डिगोय पक्ष के सरलगाण उक्त भूमि की नापी अपने पक्ष में करा कर कब्जा करना चाहते हैं। अंचल अधिकारी सरिया उक्त जमीन का मापी आदेश निर्गत किया जाया है जो चालू संगत नहीं</p>	

श की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
2 1	2	3
	<p>हैं। अतः अंचल अधिकारी सरिया द्वारा निर्गत नार्पी गैरिस को निरस्त किया जाये।</p> <p>उत्तरेन्द्र द्वारा अपने दाने के समर्थन में निम्नलिखित दस्तावेज राखिल किया गया है -</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. भूतपूर्व जमींदार बाबू माधो राय द्वारा निर्गत हुसमनामा की छाया प्रति,</li> <li>2. कुल खान खाजसा रसीद की छाया प्रति।</li> <li>3. पंजी-ग की सत्यापित प्रति की छाया प्रति।</li> <li>4. लीन सरकारी प्रज्ञान रसीद सं० - 5877 774 580300 एवं 394153 की छाया प्रति।</li> <li>5. चौकीदारी रसीद की छाया प्रति।</li> <li>6. पनादेश द्वारा प्रज्ञान जमा करने का रसीद की छाया प्रति।</li> <li>7. कुल निर्माण हेतु प्रज्ञान अम्बुस्वीति पत्र की छाया प्रति।</li> <li>8. स्वतः बाद सं० - 67/17 के आदेश / डिडी की छाया प्रति।</li> </ol>	

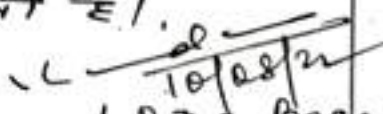
श की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
	<p>डिलीय पस अपने निज आधिकार के माध्यम से अपना चिह्नित एवं मॉरिन्क पस रखा गया। डिलीय पस के अनुसार उक्त जमीन खाना सं०-200/649, एगार नं.-17 मूलपूर्व जमींदार अस्यवत राय तथा मो० विद्या कुमारी का गैर मजदूरा खाल जमीन है। उस जमीन पर कोई विवाद नहीं है। उक्त जमींदार ने सन् 1998 साल को खाना-200/649, एगार सं०-19, एका 2.40 एकड़ मूमि डिलीय पस के पूर्वज गुली दुसाध बलर द्वारा दुसाध को बजरिये दुसमनामा बन्दो बहन किया था। गुली दुसाध के बंशज उक्त जमीन पर शांतिपूर्वक दरकार चले आ रहे हैं। तथा सरकारी मजान अदा करने आ रहे हैं। उक्त पस जाली कागजात बनवा कर उक्त जमीन पर अपना दावा कर रहे हैं। डिलीय पस उक्त जमीन की माफी करवा कर अपनी जमीन को चिह्नित करवाना चाह रहे हैं। अतः अंचल अधिकारी सरिधा द्वारा दिनांक-23.02.22</p>	

की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
41	2	3
	<p>को निर्गत गेहिस बिधि सम्बन्ध है तथा पुष्प पक्ष का रखा रकारिज करने योग्य है।</p> <p>उत्तीच पक्ष के द्वारा अपने दाने के समर्थन में निर्मांकित दस्तावेज दारिकल किया गया है -</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. गुणीण दुलाध के पंजी-ध की खाया प्रति।</li> <li>2. सरकारी अज्ञान रसीद सं० - <math>\frac{JH}{20}</math> A 089751 की खाया प्रति, सं० - 323911 की खाया प्रति, सं० - 719399 की खाया प्रति, सं० - 522470 की खाया प्रति, सं० - 322325 की खाया प्रति, सं० - 406631 की खाया प्रति।</li> <li>3. रवालरा रसीद सं० - 144, सं० - 1198, सं० - 216, सं० - 1588 की खाया प्रति जो असयवर राय तथा पैदा कुमारी द्वारा निर्गत है।</li> <li>4. असयवर राय द्वारा सम्बन् 2000 में निर्गत सादा हुपमनामा की खाया प्रति।</li> <li>5. असयवर राय द्वारा सम्बन् 2004 में निर्गत सादा हुपमनामा की खाया प्रति।</li> </ol>	

श की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
5.1	2	3
	<p>उभय पक्ष के द्वारा दायित्व दहशानेजों के अन्तर्गत एवं दलीलों से में निम्नोक्ति निष्कर्ष पर पहुँचना है:—</p> <p>(i) उभय पक्ष खादा हुयमनामा के आधार पर प्रस्तावित भूमि पर दावा कर रहे हैं। उद्यम पक्ष द्वारा भूतपूर्व जमींदार माधो राय द्वारा निर्गत हुयमनामा तथा द्वितीय पक्ष के द्वारा अक्षयबट राय द्वारा निर्गत हुयमनामा के आधार पर अपना दावा कर रहे हैं।</p> <p>उद्यम पक्ष के द्वारा दायित्व स्वत्व बंटवारा वाद सं० - 67/17 की के अनुसार बंटवारा के पश्चात् 28/जुलाई/1923 तथा 20/सितम्बर/1923 के <sup>प्रकार में</sup> अनुसार निम्न भूमि प्राप्त हुई थी :</p> <p>(क) माधो राय वगैरे को मौजा - सरिया कला में एलाट - 19 सहित अन्य भूमि प्राप्त हुई थी।</p> <p>(ख) अक्षयबट के राय के पिता व जंगली राय वगैरे को मौजा - सरिया कला में एलाट - 17 सहित अन्य भूमि प्राप्त हुई थी।</p>	



श की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
6. 1	2	3
	<p>द्वितीय पक्ष के द्वारा सम्बन्ध वर्ष 2000 एवं 2004 में निर्गत हुक्मनामा अपने दाने का आधार बना है जबकि एनए-19 अंगूठी राय नॉन को TS(P) द्वारा हासिल ही नहीं था। इस प्रकार उनके द्वारा अध्याधिकृत निर्गत हुक्मनामा जारी प्रतीत होता है।</p> <p>(ii) द्वितीय पक्ष के द्वारा दारिद्र्य खाता रसीद सं० - 144, सं० - 1198, सं० - 216, खाता सं० - 187 के लिये निर्गत है, जबकि खाता सं० - 187 के सम्बन्ध में TS(P) सं० 67/17 कहा गया है कि खाता 187 माधो राय की हिस्से की है जो डिडी के Allotment - I में अंकित है। इस प्रकार अक्षयवर राय को इस खाते की जमीन का जगान रसीद निर्गत करने का कोर्ड हक/अधिकार नहीं था।</p> <p>(iii) द्वितीय पक्ष के द्वारा दारिद्र्य हुक्मनामा की प्रति में खाता दर्ज नहीं है।</p> <p>उक्त विवेचन से स्पष्ट है कि आधारहीन कागजातों के आधार पर</p>	

श की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
2. 1	2	3
	<p>द्वितीय पक्ष के सदस्यगण भूमि की नापी करवाना चाह रहे हैं। खोरा नागापुर काश्तकारी अधिनियम 1908 की धारा 75 (1) से स्पष्ट कहा गया है कि</p> <p>cc 75 (1) Measurement of land - (1) Every landlord of an estate, Tenure or Mundari Khunt- Kattidar Tenancy shall have a right to make a general survey or measurement of the land comprised in such estate Tenure or Tenancy, unless restrained from doing so by expressed engagement with the occupants of the lands."</p> <p>अतः प्रथम पक्ष के दलील एवं दस्तावेज को सही मानने हुये अंचल अधिकारी सरिया द्वारा निर्गत नोटिस दिनांक - 23/02/22 को निरल किया जाता है।</p> <p>उभय पक्ष तथा अंचल अधिकारी, सरिया को इस आदेश से अवगत करावे।</p> <p>बाद की कार्यवाही समाप्त की जाती है।</p> <p style="text-align: right;">L.  LR De Begolar Surig.</p>	